मार्डन टेक्नीक एण्ड टूल्स फार ई-लर्निंग विषयक सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला

उद्घाटन समारोह - 7 से 13 सितम्बर तक आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मार्डन टेक्नीक एण्ड टूल्स फार ई-लर्निंग विषय पर सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। 7 सितम्बर को कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में Viacoo software के विशेषज्ञ श्री प्रमोद श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संयोजन आई.क्यू.ए.सी. को-आर्डिनेटर श्री अभिषेक वर्मा ने किया तथा संचालन कम्प्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष श्री निवास सिंह ने किया। कार्यशाला में Viacoo software से आए विषय-विशेषज्ञ श्री प्रमोद श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों को स्मार्ट बोर्ड की ट्रेनिंग दी। इंटरेक्टिव सत्र में शिक्षकों नें अपने प्रश्नों के जवाब विषय-विशेषज्ञ से जाने।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते विषय विशेषज्ञ श्री संतोष श्रीवास्तव

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

पावर प्वाइंट बनाने की बारीकियां बताते श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव

यू-ट्यूब पर वीडियो कन्टेन्ट अपलोड करना सिखाते श्री श्रीनिवास सिंह

गुगल फार्म बनाना सीखते महाविद्यालय के शिक्षक

कार्यशाला में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षकगण

कार्यशाला का दूसरा दिन - 8 सितम्बर को कार्यशाला के दूसरे दिन महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने 'पावर प्वाइंट प्रेजेटेशन कैसे बनायें' विषय पर उद्बोधन दिया। उन्होनें बताया की पावर प्वाइंट को प्रस्तुति की रूपरेखा पर या ग्राफ और चित्रों को प्रदर्शित करते करने के लिए या प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों का ध्यान केंन्द्रित करने के लिए नियोजित किया जा सकता है।

कार्यशाला का तीसरा दिन - कार्यशाला के तीसरे दिन श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने शैक्षणिक वीडियो बनाने और यू-ट्यूब पर वीडियो अपलोड करने कि विधि पर उद्बोधन दिया। उन्होंने शिक्षकों को विभिन्न साफ्टवेयर का उपयोग करते हुए वीडियो लेक्चर बनाने और लेक्चर को यू-ट्यूब पर अपलोड करने का व्यवहारिक ज्ञान दिया। साथ ही उपरोक्त विधि का पावर प्वाइंट के माध्यम से प्रदर्शन भी किया।

कार्यशाला का चौथा दिन - कार्यशाला के चौथे दिन श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने गुगल फार्म कैसे बनाये विषय पर उद्बोधन दिया। गूगल फार्म गूगल सर्च इंजन एक की सर्विस है जिसका उपयोग आनलाइन फार्म बनाने के लिए किया जाता है। शिक्षकों ने कार्यशाला में गूगल फार्म का प्रयोग करते हुए आनलाइन क्विज फार्म, सर्वेफार्म, रिव्यू फार्म एवं फाइल अपलोड फार्म को तैयार करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिक्षकों ने गूगल फार्म अपेन आवश्यकता अनुसार कस्टमाइज करना भी सीखा।

कार्यशाला का पांचवां दिन - कार्यशाला के पांचवें दिन महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

प्रभारी श्रीनिवास सिंह ने आनलाइन क्लास लेने के लिए जूम एप, गूगल मीट एवं वेबएक्स के द्वारा कैसे आनलाइन क्लास में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा डॉक्यूमेंट शेयर किया जाए इसकी जानकारी सभी शिक्षकों को अपने पावर प्वांइट प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी।

कार्यशाला का छठवां दिन - इस सप्तदिवसीय कार्यशाला के छठवें दिन कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्रीनिवास सिंह ने गूगल क्लासरूम के बारे में जानकारी दी। इसके माध्यम सें शिक्षक अपनी कक्षाओं को कैसे चला सकते हैं एवं गूगल क्लासरूम में कैसे अपने विद्यार्थियों का अटेंडेंस लिया जा सकता है, इन सब बिन्दुओं पर सभी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।

गुगल क्लासरूम के विषय में जानकारी प्राप्त करते महाविद्यालय के शिक्षक

समापन समारोह के अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करते के उपरान्त उसका व्यवहारिक अनुप्रयोग करती श्रीमती कविता म मन्ध्यान

कार्यशाला का समापन समारोह - 13 सितम्बर को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस दिन महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह ने आनलाइन शिक्षण पद्धति तथा आफलाइन शिक्षण पद्धति में क्या अंतर है, दोनों की विशेषताएं तथा दोनों माध्यमों की कमियां क्या-क्या हैं आदि मुद्दों पर शिक्षकों का ज्ञानवर्द्धन किया। कक्षा में नए-नए आईटी टूल्स का प्रयोग करके कैसे अपनी कक्षाओं को अधिक से अधिक रूचिकर बनाया जाए इसके बारे में भी जानकारी दी। कार्यशाला के समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वह अपनी कक्षा में अधिक से अधिक आईटी टूल एवं टेक्निक का समायोजन करके अपनी कक्षाओं को रूचिकर बनाए जिससे विद्यार्थियों के अन्दर सीखने की ललक बढ़ाई जा सके।